

= HE1005-1439

भारतीय वैज्ञानिकों ने

HE 1005-1439 कन्ट तारे भ खोज भ

बेंगलुरु स्थित भारतीय ताराभौतिकी संस्थान (आईआईए) के वैज्ञानिकों ने HE 1005-1439 नामक एक नए तारे की खोज की है।



- इस तारे को एक कार्बन इन्हांस्ड मेटल पुअर
 (सीईएमपी) स्टार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह तारा २ अलग अलग न्यूट्रॉन कैंचर प्रक्रिया द स्लो (एस) और ंडटरमीडिएट (आई) के संयोजन के ज़िरए बनने के संकेत दिखाता है।
- 🗕 इस तारे को एक कार्बन इन्हांस्ड मेटल पुअर (सीईएमपी) स्टार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह तारा अलग-अलग खंगोल भौतिकी वातावरणों में होने वाली दो भिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं के संयोजन के माध्यम से बनने के संकेत दे रहा है।



- साथ ही यह भी माना जा रहा है कि एसिम्पोटिक गैंट ब्रांच (asymptotic giant branch-AGB)
 फेज के दौरान कम द्रव्यमान वाले तारों में धीमी (s-) प्रक्रिया होती है और सुपरनोवा और न्यूट्रॉन स्टार विलय में तीव्र (r-) प्रक्रिया होती है।
- 🥦 इसके निर्माण में दो अलग अलग प्रक्रियाओं के शामिल होने के संकेत मिल रहे है
- आकाशगंगाओं के रासायनिक विकास और ब्रह्मांड में तत्वों की उत्पत्ति को समझने के लिए तारों की मौलिक संरचना में इन प्रक्रियाओं के सापेक्ष योगदान को समझना महत्वपूर्ण है।



- हालांकि तात्विक प्रचुरता को केवल सैद्धांतिक s-, r- या।-प्रोसेस मॉडल भविष्यवाणियों के आधार पर नहीं समझाया जा सकता है।
- तारे के बारे में और जानकारी एकत्र करने के लिए शोधकर्ताओं ने प्रेक्षित की उत्पत्ति को समझने के लिए भारी तत्वों की प्रचुरता का एक पैरामीट्रिक -मॉडल-आधारित विश्लेषण किया।





- तारे की रासायनिक संरचना का विश्लेषण करने के लिए सुबारः टेलीस्कोप (SUBARU telescope) से जुड़े स्पेक्ट्रोग्राफ (HDS) का उपयोग किया गया जिसके बाद हाई रिजॉल्यूशन स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा प्राप्त हुए।
- तारे में पाए गए आयरन मटेरियल सूर्य की तुलना में हजारों गुना कम है और यह न्यूट्रॉन-कैप्चर तत्वों से भरा हुआ है।



- कई युगों से प्राप्त हमारे रेडियल वेग अनुमानों में भिन्नताएं देखी गई है जो एक बाइनरी कम्पैनियन की उपस्थिति का संकेत देती हैं।
- जिनके परिणामस्वरूप कम द्रव्यमान, कम धात्विक एसिम्शेटिक गैंट ब्रांच तारों में शुद्ध s- या i-प्रक्रिया सतह बहुतायत पैटर्न होता है. साथ ही यह CEMP-s से CEMP-r/s संक्रमण को समझाने में सहायक हो सकता है।





पक्षी सर्वेक्षण में **— रेड हेडेड वल्पर**

- हाल ही में उत्तराखंड के कॉबेंट टाइगर रिज़र्व में हुए एक पक्षी सर्वेक्षण में रेड हेडेड वल्वर की गिनती की गई |
- 'रेड हेडेड वल्वर' या 'लाल सिर वाला गिद्ध' भारत में पाई जाने वाली गिद्ध की 9 प्रजातियों में से एक हैं |



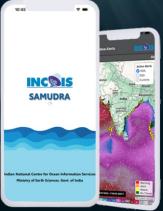
- 🔍 इसे 'एशियाई राजा गिद्ध' या 'पांडिचेरी गिद्ध' भी कहा जाता है
- यह भारत में बड़े पैमाने पर पाया जाता था, लेकिन डाइक्लोफेनाक दवा के प्रयोग के बाद इसकी संख्या काफी कम हो गई



- IUCN स्थिति:- **'क्रिटिकली इंडेंजर्ड'** या 'गं**भीर रूप से लुप्तप्राय'** है
- निवास स्थल भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान में पाया जाता है।



- सम्द्र -मोबाइल एप्लिकेशन



पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक प्रभाग, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) ने 'समुद्र' नामक एक नया मोबाइल एप्लिकेशन पेश किया है। महासागर डेटा संसाधनों और सलाह के लिए समुद्री उपयोगकर्ताओं तक स्मार्ट पहुंच।





- यह ऐप समुद्र से संबंधित व्यापक जानकारी प्रदान करता है, जिससे नाविकों और मछली पकड़ने वाले समुदाय को लाभ होता है।
- यह सुनामी, तूफानी लहरों, ऊंची लहरों और उफनती लहरों जैसी समुद्री आपदाओं पर वास्तविक समय के अपडेंट और महत्वपूर्ण अलर्ट प्रदान करता है।
- इसमें जटिल समुद्री घटनाओं को समझाने के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र चार्ट और एनिमेशन शामिल हैं।



- एप मुखुआरों के लिए विशेष रूप से मूल्यवान है क्योंकि यह संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र (पीएफजेड) सलाह प्रदान करता है, जो उन्हें संभावित मछली एकत्रीकरण स्थानों के लिए मार्गदर्शन करता है।
 - े ऐप भारतीय तट रक्षक, नौसेना और शिपिंग उद्योगों जैसी विभिन्न सार्वजनिक और निजी संस्थाओं को भी सेवा प्रदान करता है।
 - ऐप समुद्री डेटा और सलाहकार सेवाओं के साथ राष्ट्र की सेवा करने, स्थायी समुद्री गतिविधियों और ब्लू इकोनॉमी में योगदान देने के INCOIS के मिशन के साथ संरेखित है।





जायेगा।



पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य-

- पीएम विश्वकर्मा योजना को कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार करने के लिए लांच किया गया है।
- इसके परिणामस्वरूप श्रमिकों विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े समुदायों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर और समाज के अन्य कमजोर वर्गों से संबंधित लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण होगा।